



ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2020; 6(6): 224-225
www.allresearchjournal.com
Received: 21-04-2020
Accepted: 23-05-2020

Dr. Arti Diwan
MHsc, PhD. I.G. Govt Arts
and Commerce PG College,
Vaishali Nagar, Bhilai,
Chhattisgarh, India

लॉक डाउन: पर नई राहें खुली है

Dr. Arti Diwan

सार

कोविद-१९ के समय देश में लम्बा लॉक डाउन लगा, लोगों को न चाहते हुए भी लम्बे समय तक घर में रहना पड़ा। लॉक डाउन का असर हमारे अर्थव्यवस्था पर पड़ा। हमारे काम धंधे, उद्योग, रोजगार पर बड़ा संकट मंडराने लगा। चारों तरफ वित्तीय संकट दिखने लगा। हजारों लोगों में अपनी नौकरी, रोजगार खो दिए तो किसी का उद्योग बंद हो गया। छोटे छोटे व्यवसायी की आर्थिक स्थिति पर खतरा मंडराने लगा। ऐसी विकट स्थिति में हमें चिंता, अवसाद एवं भय से निकल कर नए रास्ते बनाने होंगे। भविष्य के लिए नए कार्य कौशल तलाशने होंगे। आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा कर अपने भविष्य को सुनिश्चित करना होगा।

कूट शब्द: लॉक डाउन, कोविद-१९, अर्थव्यवस्था

1. प्रस्तावना

कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए लागू लॉक डाउन के चलते एक डरावना चेहरा बाजार से निकल के आ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था पर नज़र रखने वाले संगठन सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इकॉनमी के ताजे आंकड़े इस बात का खुलासा कर रहे हैं की देश में इस वक़्त बेरोजगारों की संख्या 10 करोड़ से ज्यादा है। इनमें से ज्यादातर ऐसे हैं जिनकी नौकरियां लॉक डाउन के चलते चली गयीं, जिनके पास आज की तारीख में कोई काम नहीं बचा। कोरोना के इस मुश्किल दौर में कई लोग ऐसे हैं जो इस समय खाली बैठे हैं, जब परिचित राहें बंद हो तो, नई राहें आजमाये। आमदनी भले कम हो पर आप सक्रिय बने रहेंगे तो कारगर सिद्ध होगा। नए कौशल सीख जायेंगे या अपने ही किसी कौशल को निखारने का प्रयास करें।

• शिक्षण दीजिये:

यदि आप शिक्षित हैं और आपको पढ़ाना पसंद है तो बच्चों का ऑनलाइन क्लास के जरिये, क्लास लेना शुरू कर सकते हैं। इसके लिए घन्टे के मुताबिक या टॉपिक कक्षा के हिसाब से शुल्क तय कर सकते हैं। किसी ट्यूशन या कोचिंग संस्थान से संपर्क कर आप इस कार्य में जुड़ने का प्रयास कर सकते हैं। नई जिम्मेदारियां नए अनुभव के साथ बच्चों के लिए आप कुछ करने का प्रयास करें। इस समय स्कूल और कॉलेज पूर्णतया बंद है ऐसे समय में वीडियो लेक्चर ऑनलाइन क्लास बच्चों के पढ़ाने का अच्छा माध्यम बना हुआ है।

• कंटेंट राइटिंग:

यदि आप शिक्षित हैं और आप को पढ़ने लिखने में रूचि है तो कई वेबसाइट, ब्लॉग्स, मैगज़ीन, अखबार ये सुविधा दे सकते हैं। यदि आप के पास अंग्रेजी या हिंदी में व्याकरण की अच्छी पकड़ है तो एक आकर्षक लेखन शैली और विभिन्न विषयों पर शोध करने एवं उनके बारे में लिखने में रूचि है तो प्रीलांसर आप काम कर सकते हैं।

• कौशल भी सिखा सकते हैं:

अगर आप वित्तीय जानकारियां रखते हैं या किसी क्षेत्र में एक्सपर्ट है, जैसे फोटो, वीडियो, एडिटिंग, कराटे, योग, जानते है, या अच्छा खाना बनाते हैं, या किसी भाषा का ज्ञान है तो ऑनलाइन लोगो को सिखा सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट मौजूद है। आपको पूरा कोर्स बनाकर वेबसाइट पर अपलोड करना होगा जो इसे सीखना चाहते है तो वो भुगतान करके कोर्स खरीद सकते है इसका फयदा आप आगे तक उठा सकेंगे।

Corresponding Author:
Dr. Arti Diwan
MHsc, PhD. I.G. Govt Arts
and Commerce PG College,
Vaishali Nagar, Bhilai,
Chhattisgarh, India

• नई कृषि क्रांति :

लॉक डाउन में केरल की एक पंचायत ने नई कृषि क्रांति कड़ी कर दी है। जब 24 मार्च को 21 दिन का लॉक डाउन की घोषणा हुई थी तभी एर्नाकुलम जिले के वडकककेरा पंचायत ने तय किया की गांव में कोई खाली नहीं बैठेगा तय हुआ गांव की खाली पड़ी जगह घरों के आसपास और छतों पर सब्जी उगायेगे उस मुहीम को "द वेजिटेबल फार्मिंग" चैलेंज नाम दिया। कुछ ही दिनों में १०,३१२ परिवार में ९४१७ परिवार इसमें जुड़े, ७० दिन के लॉक डाउन में यहाँ के लोग सब्जी के मामले में आत्मनिर्भर बन गए और एक अच्छा बाजार बना लिया।

कृषि में हमारे यहाँ अपार सम्भावना है एवं थोड़ी तकनीकी जानकारी के द्वारा भी आप कृषि छोटे स्तर पर या बड़े स्तर पर या ज़मीन लीज में ले कर भी इस तरह का व्यापार बढ़ा सकते है। केरल की घटना हमारे लिए एक प्रेरक है।

• घरों में मास्क तैयार करना:

कोरोना संक्रमण काल का लगभग ६ माह होने को है एवं इस वर्ष के अंत तक के स्थिति का भी अनुमान लगाना मुश्किल है। अतः इसके बचाव के लिए सबसे अधिक मास्क की आवश्यकता है। यदि आप सिलाई में रूचि रखते हैं या कपडे के द्वारा अन्य लोगो की मदद से घर पर ही तरह तरह के मास्क तैयार कीजिये। इसकी आवश्यकता अचानक अन्य कपड़ों की तरह बढ़ गयी है अतः मास्क, ग्लव्स, स्कार्फ आदि डिज़ाइनर तैयार कर अपने समय एवं आमदनी का माध्यम तलाशें।

• खाद्य पदार्थों को तैयार करना :

वर्तमान संक्रमण काल में ऑनलाइन खरीदी या घर पहुंच सेवा का प्रचलन बढ़ गया है। सुरक्षा के दृष्टि से सभी घरों में ही सामान पहुंचने की आशा कर रहे हैं। ऐसे अवसर का तुरंत फ़ायदा आप ले सकते हैं। घरों में मसाला तैयार कर, अचार, जैम, जेली, शरबत, पापड़, बड़ी, केक, बिस्कुट, पेस्ट्री, नमकीन मीठा नाश्ता ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ है जो हर घर की आवश्यकता है। यदि आप इन् चीजों में कुशल है या किन्ही कुशल व्यक्ति के सहयोग से इस तरह के कार्य में अपना भविष्य तलाशने का प्रयास करें।

• नृत्य संगीत के लिए भी अवसर:

लॉक डाउन में बच्चे लम्बे समय तक रहने एवं ऑनलाइन क्लास के बोझ से लगभग थक जाते है, ऐसे समय में अन्य गतिविधियों में रूचि लेने वाले घर में बालक गीत, संगीत, नृत्य, सिखने का भी अवसर अभिभावक तलाशते हैं। यदि आप इस विद्या में पूर्ण है तो लॉक डाउन में अपने शहर में अपने आस पास के क्षेत्र में अपने इस विधा का प्रचार प्रसार कर शुल्क सहित इसमें अपना भाग्य आजमा सकते हैं। सोशल मीडिया में वीडियो अपलोड कर या घर में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कुछ बच्चो के साथ इसकी अच्छी शुरुवात की जा सकती है।

• प्रूफ रीडिंग कर सकते हैं :

अगर आप हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, तमिल, या किसी विदेशी भाषा अच्छी तरह से लिखना और पढ़ना जानते हैं, तो प्रूफ रीडिंग का काम कर सकते हैं। किसी प्रकाशन के लिए घर बैठे किताब या लेखन का प्रूफ पढ़ सकते हैं। ये खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदे मंद होगा जिन्हें हिंदी, अंग्रेजी या अन्य भाषाएं आती है। साथ ही आजकल ई-बुक का चलन काफी बढ़ गया है, इसके लिए भी प्रूफ रीडर का काम कर सकते हैं।

• सोशल मीडिया मैनेजर:

सोशल मीडिया की अच्छी जानकारी रखते हैं तो बतौर सोशल मीडिया मैनेजर काम कर सकते हैं। हर छोटी से लेकर बड़ी कंपनी सोशल मीडिया पर मौजूद है, इन पेज पर रोज़ आर्टिकल, फोटो, कस्टमर को कमेंट्स के जरिये जवाब देने के लिए मैनेजर की आवश्यकता होती है। इसके अलावा सोशल मीडिया मार्केटिंग में रूचि और थोड़ी बहुत जानकारी रखते है तो इस पर भी घर बैठे काम कर सकते हैं। हालाँकि शुरुवात में प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है जिसे ऑनलाइन किया जा सकता है।

2. निष्कर्ष

इस संक्रमण काल में यह चर्चा अत्यंत व्यापक है, आज समय की मांग है की अपने पैरो पर खड़ा होना ही होगा। अपने बलबूते पर चलना ही होगा और इसके लिए एक ही मार्ग है- आत्मनिर्भर। महामारी के दौरान आजीविका बहुत बड़ी समस्या बनकर उभरी है, अभी ये समस्या हमारे जीवन में परेशानी बन कर आयी है, अब हमें देखना होगा की यह परेशानी हमारे जिंदगी में आफत न बन जाये। इसके लिए व्यक्तिगत, सामाजिक या सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले कर भी अपने आजीविका के लिए दृढ़ विश्वास एवं धैर्य से आगे बढ़ना होगा।

3. सन्दर्भ:

1. दैनिक नवभारत समाचार पत्र- पेज 4- 5th मई, 2020
2. दैनिक भास्कर समाचार पत्र (मधुरिमा पेज-1)- 27th मई, 2020